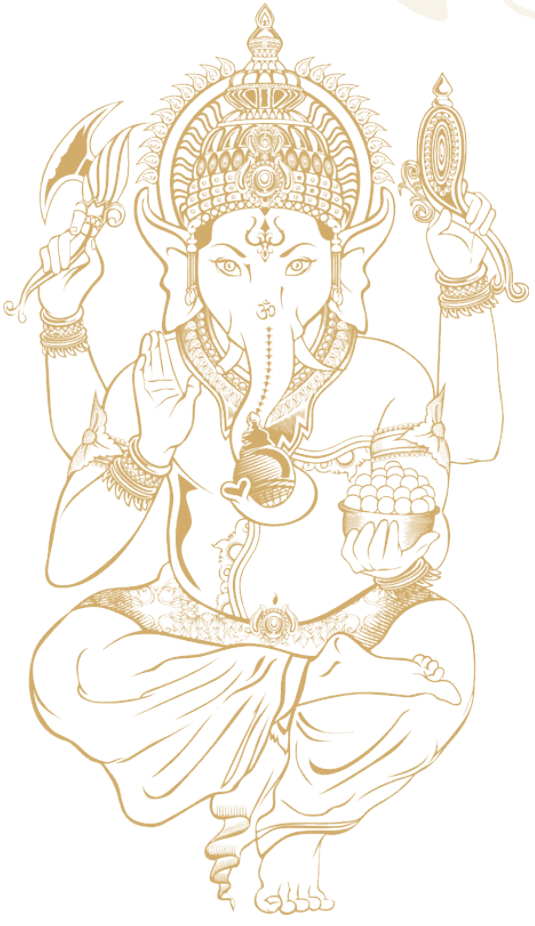

Samarth Vikram Singh

Akansha singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121657204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/10/1995	जन्म तिथि	13/09/1999
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 18:44:00	जन्म समय	20:15:00 घंटे
घटी 32:12:57	जन्म समय(घटी)	36:20:04 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Varanasi
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:49	सूर्योदय	05:42:58
17:43:18	सूर्यास्त	18:04:50
23:47:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:57

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 8वर्ष 9मा 12दि		07:19:08	मेष	लग्न	मेष	11:12:47	राहु 13वर्ष 5मा 1दि	
राहु		16:03:31	कन्या	सूर्य	सिंह	26:31:20	गुरु	
17/07/2011		11:37:11	मक	चंद्र	तुला	10:03:35	13/02/2013	
16/07/2029		23:59:33	तुला	मंगल	वृश्चि	13:03:45	13/02/2029	
राहु	29/03/2014	19:16:12	कन्या व	बुध	कन्या	00:55:57	गुरु	03/04/2015
गुरु	22/08/2016	17:03:25	वृश्चि	गुरु व	मेष	10:30:28	शनि	14/10/2017
शनि	29/06/2019	27:46:18	कन्या	शुक्र	कर्क	25:04:06	बुध	20/01/2020
बुध	15/01/2022	26:07:32	कुंभ व	शनि व	मेष	23:08:39	केतु	26/12/2020
केतु	02/02/2023	02:48:18	तुला व	राहु व	कर्क	18:27:24	शुक्र	27/08/2023
शुक्र	02/02/2026	02:48:18	मेष व	केतु व	मक	18:27:24	सूर्य	14/06/2024
सूर्य	28/12/2026	02:43:47	मक व	हर्ष व	मक	19:37:48	चन्द्र	14/10/2025
चन्द्र	28/06/2028	28:58:30	धनु व	नेप व	मक	07:59:07	मंगल	20/09/2026
मंगल	16/07/2029	04:51:53	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:04:06	राहु	13/02/2029

लग्न-चलित

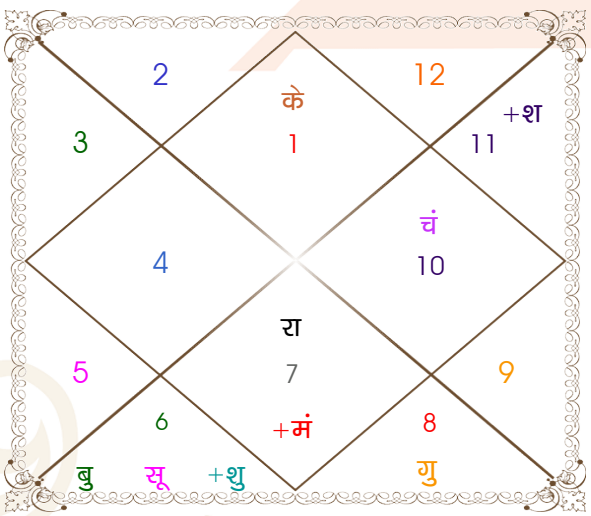

लग्न-चलित

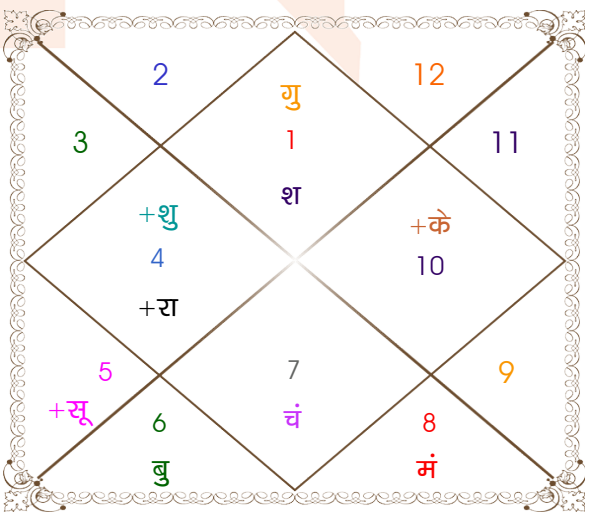

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ँउंतजी टपातंउ ैपदही का नक्षत्र श्रवण है।

ँउंतजी टपातंउ ैपदही का वर्ग मार्जार है तथा Akansha singh का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ँउंतजी टपातंउ ैपदही और Akansha singh का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ँउंतजी टपातंउ ैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ँउंतजी टपातंउ ैपदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Akansha singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Akansha singh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ँउंतजी टपातंउ ैपदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ँउंतजी टपातंउ ैपदही तथा Akansha singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।